BALIKA VIDYAPITH LAKHISARAI

Class-12,Sub:-CCA,Date-26/6/2020

★★★ L. P. SINGH

For the first time in CCA I am sending you a "Gazal"by Raj Allahabadi.I hope you will enjoy the hidden sense of this gazal by giving your own voice.

लज्जते गम बढ़ा दीजिए

आप फिर मुस्कुरा दीजिए

चाँद कब तक गहन में रहे

अब तो जुल्फें हटा दीजिए

मेरा दामन बहुत साफ है

कोई तोहमत लगा दीजिए

कीमत-ए-दिल बता दीजिए

खाक लेकर उड़ा दीजिए

आप अँधेरे में कब तक रहें

फिर कोई घर जला दीजिए

इक समंदर ने आवाज दी

मुझको पानी पिला दीजिए

लज्जते गम बढ़ा दीजिए

आप फिर मुस्कुरा दीजिए. ।

✩✩✩✩✩ ललितांशु प्रसाद सिंह